अनुच्छेद लेखन

अनुच्छेद लेखन करते समय ध्यान देने योग्य बातें :-

1. अनुच्छेद लिखने के लिए संकेत बिंदु दिए जाते हैं। उन्हें ध्यान से पढ़ना चाहिए तथा बिंदुओं के आधार पर ही विषय का विस्तार करना चाहिए।
2. अनुच्छेद लेखन 80 से 100 शब्दों का होना चाहिए।
3. अनुच्छेद लेखन में उदाहरण और दृष्टांतों का प्रयोग नहीं किया जाता है।
4. अनुच्छेद लेखन में छोटे-छोटे सरल वाक्यों का प्रयोग किया जाना चाहिए।
5. मुहावरों और लोकोक्तियों का प्रयोग अनुच्छेद को प्रभावशाली बनाने के लिए किया जाता है।

VASUNDHARAHINDI.COM

(1)

कंप्यूटर आज की आवश्यकता

संकेत बिंदु :- 1) कंप्यूटर क्या है? 2) कंप्यूटर का उपयोग 3) कंप्यूटर से हानि

कंप्यूटर विज्ञान द्वारा विकसित एक मशीन है। कंप्यूटर के द्वारा हम कुछ ही पलों में अनेक जानकारियाँ इकट्ठी कर सकते हैं। कंप्यूटर आज हमारे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में हस्ताक्षर कर रहा है। कंप्यूटर का प्रयोग चिकित्सा, शिक्षा, बैंकिंग, संगीत, रेलवे, व्यापार, खेलकूद आदि अनेक स्थानों पर होता है। कंप्यूटर यद्यपि बहुत उपयोगी है, परंतु अति सदा बुरी होती है। हम कंप्यूटर पर बहुत अधिक निर्भर हैं। परिणाम स्वरूप हम सामाजिक तो हैं पर कंप्यूटर पर ही, कंप्यूटर के बाहर नहीं। प्रकृति से हम दूर होते जा रहे हैं। हम कंप्यूटर पर ही तरह-तरह के खेल खेलते हैं, खेल के मैदान से कोसों दूर हैं। परिणाम स्वरूप हमारा स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। आज कंप्यूटर हमारी जरूरत है, पर इसका सही उपयोग करना चाहिए।

VASUNDHARAHINDI.COM

(2)

भारत में बाल मजदूरी

संकेत बिंदु :- 1) बाल मजदूरी क्या है? 2) बाल मजदूरी के कारण
3) बाल मजदूरी दूर करने के उपाय

नाबालिग बच्चों से मजदूरी कराना अर्थात् 5 से 14-15 वर्ष के बच्चों से काम करवाना बाल मजदूरी है। जिस आयु में बच्चों को पढ़ना चाहिए, उस समय में उनसे तरह-तरह के काम कराए जाते हैं, जैसे - लोगों के घरों में काम करना, रेस्टोरेंट में काम करना, धूप-अगरबत्ती की फैक्ट्री में काम करना आदि। बाल मजदूरी का सबसे बड़ा कारण है गरीबी। माता-पिता इतने गरीब हैं कि घर चलाने के लिए सबका काम करना आवश्यक होता है, इसलिए बच्चों को भी काम करना पड़ता है। बाल मजदूरी को दूर करने के लिए सरकार को कड़े नियम बनाने चाहिए। ऐसी समाजसेवी संस्थाओं को सहायता करनी चाहिए जो बाल मजदूरी को समाप्त करना चाहते हैं। सबसे बड़ी बात माता-पिता का जागरूक करना आवश्यक है।

VASUNDHARAHINDI.COM

(3)

मेरे जीवन का लक्ष्य

संकेत बिंदु :- 1) जीवन में लक्ष्य बनाना आवश्यक

2) आपके जीवन का क्या लक्ष्य है

3) लक्ष्य प्राप्त करने के यत्न

4) कुछ बन कर क्या करेंगे?

जिस प्रकार कहीं जाने के लिए निश्चित करना होता है कि हमें कहाँ जाना है, ठीक इसी प्रकार जीवन में कुछ बनने के लिए एक लक्ष्य बनाना पड़ता है। मेरे जीवन का लक्ष्य है कि मैं एक अध्यापक बनूँ। जब मैं छोटी थी, तभी से मेरी इच्छा थी कि मैं अध्यापक बनूँ। अध्यापक बनने के लिए मैंने अंग्रेजी साहित्य में एम. ए. किया और उसके बाद बी. ऐड. किया। इसके बाद एक अच्छे विद्यालय में मेरी नौकरी लग गई। अपने आप को प्रभावशाली शिक्षक बनाने के लिए जो कुछ भी मुझे पढ़ाना होता है उसकी खूब तैयारी करके जाती हूँ। शिक्षण के लिए सहायक सामग्री का खूब उपयोग करती हूँ। छात्रों को नैतिक मूल्य भी देती रहती हूँ तथा अपने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित भी करती हूँ। अर्थात् मैं जीवन में एक आदर्श शिक्षक बनना चाहती हूँ।

VASUNDHARAHINDI.COM

(4)

परहित सरस धर्म नहिं भाई / परोपकार

संकेत बिन्दु :-

1) सूक्ति का अर्थ
2) मानवता के लिए परहित आवश्यक
3) परहित के उदाहरण
4) भारतीय संस्कृति में परहित का महत्व

परहित सरस धर्म नहिं भाई।
परपीड़ा सम नहिं अधमाई।।

दूसरों का हित करने से बड़ा कोई धर्म नहीं तथा दूसरों को दुख देने से बड़ा कोई अधर्म नहीं। दूसरों का हित करने की भावना ही मनुष्य को मनुष्य बनाती है। दूसरों का हित करने वाले लोग दूसरों के हित के लिए अपने जीवन का सहर्ष परित्याग कर देते हैं। राम, कृष्ण, दधीचि, ईसा मसीह, मदर टेरेसा, महात्मा गाँधी आदि तथा हमारे देश के वीर सैनिकों का जीवन दूसरों के हित के लिए समर्पित रहा है। भारतीय संस्कृति का मूल आधार परहित ही रहा है। भारतीय लोग सारे संसार को एक कुटुम्ब समझते हैं तथा भारतीय सदा सबके सुख की कामना करते हैं।

VASUNDHARAHINDI.COM

(5)

आज की बचत कल का सुख

संकेत बिन्दु :- 1) बचत का अर्थ व प्रकार 2) बचत की आवश्यकता
3) बचत से भविष्य सुरक्षित

अपनी वर्तमान आय में से कुछ बचाना ही बचत है। बचत अनेक प्रकार से की जा सकती है जैसे बैंक में हर महीने कुछ पैसे जमा करना। घर की स्त्रियाँ जो थोड़ा-थोड़ा पैसा जमा करती हैं, वह भी बचत है। सोना-चाँदी खरीदना भी एक प्रकार की बचत है। जमीन आदि को खरीदना भी बचत का एक तरीका है। व्यक्ति बचत इसलिए करता है कि अचानक कोई संकट आने पर, बीमारी आदि के समय पैसे की आवश्यकता होती है, कई बार बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए भी पैसे की आवश्यकता होती है, उस समय कोई दिक्कत न हो। हम सब जानते हैं, ऐसा कोई काम नहीं, जिसमें पैसे की आवश्यकता न हो। इसलिए अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आज बचत अति आवश्यक है।

*****

VASUNDHARAHINDI.COM